पाठ-2

आप जिस संसार में रहते हैं उसे परमेश्वर ने बनाया

परमेश्वर के बारे में यह सीखिए :

परमेश्वर वह कर सकता है जो अन्य कोई नहीं कर सकता।
परमेश्वर सृष्टि कर सकता है—न कुछ में से कुछ बना सकता है।
परमेश्वर ने जगत (संसार) की सृष्टि छै दिन में की।
परमेश्वर ने आपके रहने के लिए एक अच्छे संसार की रचना की।
परमेश्वर ने छै दिन काम करने के लिए और एक दिन विश्राम के लिए बनाया।
परमेश्वर उत्पत्ति नामक पुस्तक में बताता है कि कैसे उसने संसार की सृष्टि की।
परमेश्वर की पुस्तक—बाइबल में उत्पत्ति नामक पुस्तक पहिले भाग में है।

अपनी बाइबल में से नीचे लिखे पद को पांच बार ज़ोर ज़ोर से पढ़ें:

"आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।" उत्पत्ति 1:1.

क्या आप यह कर सकते हैं ?

नीचे दिये गए उत्तर में जो अक्षर नहीं हैं उन्हें लिखें।

1. जो अन्य कोई नहीं कर सकता क्या वह परमेश्वर कर सकता है ?
   परमेश्वर सृ.....कर सकता है, न कुछ में से कुछ बना सकता है।

2. परमेश्वर किस जगह बताता है कि उसने ससार की सृष्टि की ?
   बा.....के पहिले भाग में उ.....नामक पुस्तक में।

उत्तर

1. सटि 2. बाइबल, उत्पत्ति

परमेश्वर ने जगत (संसार) की सृष्टि छै दिन में की।

परमेश्वर ने लोगों के रहने के लिए एक अति सुन्दर जगत की योजना बनाई। आरम्भ में पृथ्वी का कोई आकार नहीं था।
पृथ्वी अन्धकारपूर्ण रात्रि के समान सूनसान और अन्धकार पूर्ण थी।
तब परमेश्वर ने कहा और पृथ्वी ने एक नया रूप ले लिया।
परमेश्वर ने कहा और प्रकाश हो गया।
जितनी बार परमेश्वर ने कहा, और कुछ न कुछ की सृष्टि हुई।

कल्पना करें कि आप परमेश्वर को संसार की सृष्टि (सृजन) करते हुए देख रहे हैं। *इस चिन्ह वाले प्रत्येक शब्दों के नीचे आरम्भ से *चिन्ह के अन्त तक रेखा खींचें। ये सब शब्द बाइबल के पहिले भाग में से उत्पत्ति नामक पुस्तक में से लिए गए हैं।

पहले दिन

*परमेश्वर ने कहा, "प्रकाश हो।"

परमेश्वर ने दिन और रात्रि को बनाया।

दूसरे दिन

परमेश्वर ने कहा, "जल के बीच एक ऐसा अन्तर हो कि ऊपर आकाश और नीचे पृथ्वी बन जाए।"

परमेश्वर ने जल से आकाश को अलग किया।

तीसरे दिन

परमश्वर ने कहा, "आकाश के नीचे का जल एक स्थान में इकट्ठा हो जाए और समुद्र बन जाए।"

परमेश्वर ने सूखी भूमि, समुद्र, वृक्ष, फूल बनाए

चौथे दिन

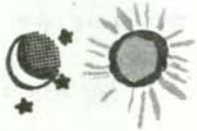

परमेश्वर ने कहा, "दिन को रात से अलग करने के लिए आकाश के अन्तर में ज्योतियाँ हों।"

परमेश्वर ने सूर्य, चन्द्रमा और तारागणों को बनाया

पाचवें दिन

परमेश्वर ने कहा, "जल जीवित मछलियों (जल जन्तुओं) से बहुत ही भर जाए और आकाश में बहुत सारे पक्षी हो जाएँ।"

परमेश्वर ने समस्त मछलियों और पक्षियों को बनाया।

छठवें दिन

परमेश्वर ने कहा, "पृथ्वी से प्रत्येक जाति के जानवर, पशु और रेंगनेवाले जन्तु उत्पन्न हों।"

परमेश्वर ने हर प्रकार के सब जानवरों को बनाया

परमेश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएँ।"

परमेश्वर ने प्रथम पुरुष और स्त्री को बनाया।

परमेश्वर ने आपके रहने के लिए एक सुन्दर जगत को बनाया।

तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा।
सब कुछ बहुत ही अच्छा था। जगत बहुत ही सुन्दर था।
परमेश्वर बहुत ही प्रसन्न था।

परमेश्वर ने छै दिन काम करने के लिए और एक दिन विश्राम के लिए बनाया।

सातवें दिन परमेश्वर ने विश्राम किया।
उसने सातवें दिन को विश्राम का दिन बनाया।
परमेश्वर ने विश्राम का दिन हमारे लिए बनाया।

सप्ताह में छै दिन हम काम करते हैं।
सातवें दिन हम विश्राम करते हैं।
विश्राम के दिन हम परमेश्वर के घर को जाते हैं।
क्या आप परमेश्वर के घर को जाते हैं?

परमेश्वर के घर में हम परमेश्वर से बातचीत करते हैं और उसके बारे में सीखते हैं। हम अपने घर में भी जब प्रार्थना करते हैं तो परमेश्वर से बातचीत करते हैं।

क्या आप प्रसन्न हैं कि परमेश्वर ने इस सुन्दर जगत को बनाया?
क्या आपने स्वयं के बनाए जाने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया है?
नीचे लिखी प्रार्थना को सीखें और परमेश्वर से कहें (करें):

प्रार्थना

समस्त संसार के लिए हे परमेश्वर मैं आपको
धन्यवाद देता हूँ,
जो कुछ मैं देखता हूँ उन सब को बनाने के लिए,
काम करने के दिनों और विश्राम के दिन के लिए,
और मुझे बनाने के लिए, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।